अंतर्गत किए गए वार्षिक आवंटनो तथा 1985-86 से किए गए व्यय के ब्यौरे निम्नलिखित हैं:—

(लाख रु० में)

वर्ष	अनुमोदित परिव्यय	वास्तविक व्यय
1985-86	5049.00	2750
1986-87	5015.00	3246.15
1987-88	22000.00	21492.00
1988-89	25440.00	11738.90

(17.2.1989 तक की यथास्थिति के अनुसार)

दिल्ली में यमुना के ऊपर पुल का निर्माण

115. **श्री राम जेठमलानी:**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में अन्तर्राज्यीय बस अड्डे के निकट यमुना पर बन रहे पुल को जनवरी, 1989 तक पूरा नहीं किया जा सका है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इसके निर्माण कार्य को पूरा किये जाने की लक्ष्य तारीख को अनेक बार निर्धारित कर उसकी घोषणा की गई थी;

(ग) यदि हां, तो निर्धारित की गयी लक्ष्य तारीखें क्या-क्या थी; और

(घ) इस पुल के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए अब कौन सी लक्ष्य तारीख निर्धारित की गयी है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) जी, हां।

(ख) और (ग) समापन की मूल तिथि दिसम्बर, 1987 के मुकाबले संशोधित लक्ष्य तिथि सिर्फ एक बार दिसम्बर, 1988 घोषित की गई थी।

(घ) जून, 1991।

सवाई माधोपुर और जयपुर के बीच तीव्रगामी रेलगाड़ी

116. **डा० अबरार अहमद खान:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राजस्थान में व सवाई माधोपुर और जयपुर के बीच अत्यधिक यातायात को देखते हुए इन स्थानों पर जल्दी ही कोई तीव्रगामी रेलगाड़ी आरम्भ की जा रही है, यदि हां, तो कब तक, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;

(ख) क्या सवाई माधोपुर और जयपुर के बीच छोटी लाइनों तथा राजस्थान में जयपुर से आगे अन्य स्थानों पर भी बम्बई और उससे आगे से फ्रंटियर मेल, डीलक्स, देहरादून एक्सप्रेस रेल गाड़ियों से, जो बड़ी लाइन पर चलती हैं, वातानुकूलित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन स्थानों के बीच चलने वाली रेल गाड़ियों में वातानुकूलित डिब्बे जोड़ने का प्रस्ताव है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सवाई माधोपुर से चलने वाली छोटी लाइन की गाड़ियों में प्रथम श्रेणी के डिब्बों के रूप में अत्यधिक घटिया किस्म के डिब्बे जोड़े जाने के क्या कारण हैं, और इन डिब्बों में कंडक्टर भी नहीं होते हैं, क्या सरकार इस सम्बन्ध में कोई सुधार करने का विचार रखती है?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री महाबीर प्रसाद): (क) जी नहीं। मीटर आमान की इस शाखा लाइन पर हैं।

(ख) जी नहीं। वातानुकूल सवारी डिब्बों की सीमित उपलब्धता तथा उन्हें धीमी गति की गाड़ियों के साथ चलने में अनुभव की जाने वाली तकनीकी कठिनाइयों के कारण उन्हें नहीं चलाया जा सकता।